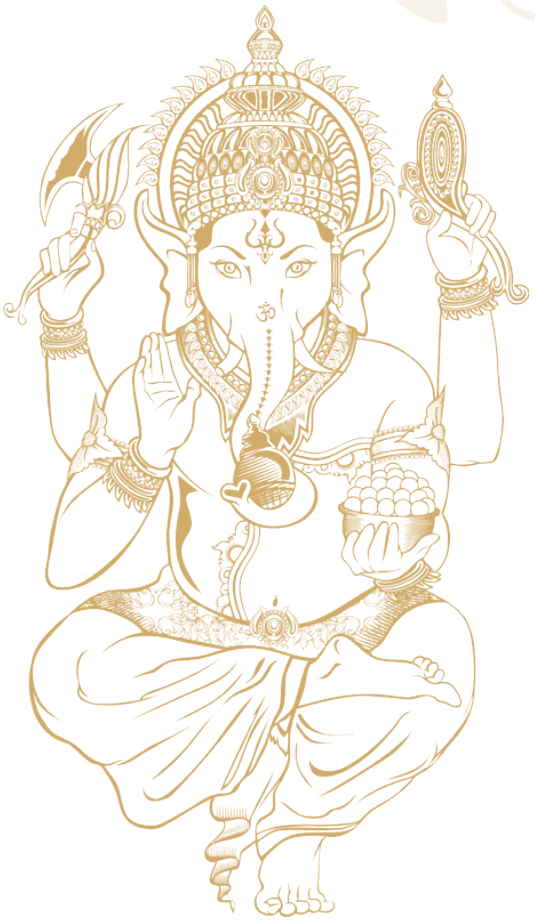

Shivam Kanchan

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121473603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
3-04/01/1993	जन्म तिथि	04/12/1995
रवि-सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 06:45:00	जन्म समय	16:00:00 घंटे
घटी 58:38:25	जन्म समय(घटी)	22:26:18 घटी
India	देश	India
Narnaul	स्थान	Bihar
28:04:00 उत्तर	अक्षांश	26:38:00 उत्तर
76:10:00 पूर्व	रेखांश	84:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:25:20	स्थानिक संस्कार	00:09:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:17:38	सूर्योदय	06:23:34
17:42:56	सूर्यास्त	16:57:14
23:45:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:06

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 5वर्ष 7मा 4दि	11:04:36	धनु	लग्न	वृष	03:57:21	शुक्र 11वर्ष 6मा 28दि
राहु	19:55:57	धनु	सूर्य	वृश्चि	17:59:26	मंगल
09/08/2021	22:56:11	मेष	चंद्र	मेष	18:56:53	03/07/2023
10/08/2039	25:27:14	मिथु व	मंगल	धनु	09:07:25	03/07/2030
राहु 21/04/2024	08:25:49	धनु	बुध	वृश्चि	24:12:48	मंगल 29/11/2023
गुरु 15/09/2026	19:57:53	कन्या	गुरु	वृश्चि	29:24:29	राहु 17/12/2024
शनि 22/07/2029	06:17:53	कुंभ	शुक्र	धनु	14:44:22	गुरु 23/11/2025
बुध 08/02/2032	22:54:41	मक	शनि	कुंभ	24:20:09	शनि 01/01/2027
केतु 26/02/2033	27:36:29	वृश्चि	राहु व	तुला	01:59:25	बुध 30/12/2027
शुक्र 27/02/2036	27:36:29	वृष	केतु व	मेष	01:59:25	केतु 27/05/2028
सूर्य 20/01/2037	24:05:10	धनु	हर्ष	मक	04:07:58	शुक्र 27/07/2029
चन्द्र 22/07/2038	24:42:25	धनु	नेप	धनु	29:56:22	सूर्य 02/12/2029
मंगल 10/08/2039	00:55:59	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	07:08:03	चन्द्र 03/07/2030

लग्न-चलित

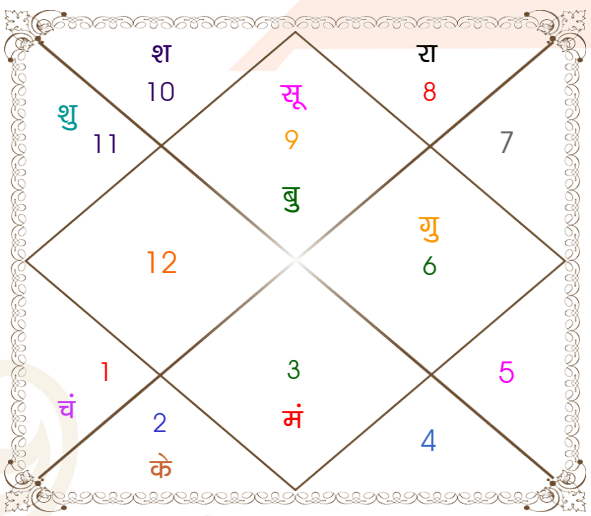

लग्न-चलित

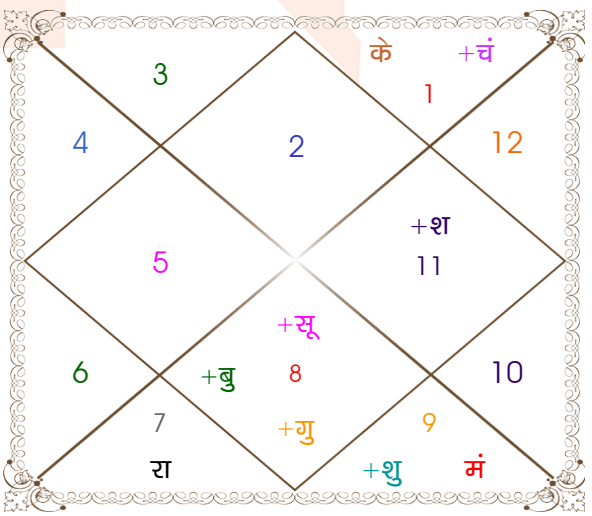

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	गज	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Shivam का वर्ग मृग है तथा झंदबींद का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Shivam और झंदबींद का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Shivam मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

झंदबींद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु झंदबींद कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Shivam तथा झंदबींद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।